उत्तर-पूर्व एवं उत्तरी लेखक सम्मेलन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 31 दिसंबर।

साहित्य अकादेमी की ओर से गुरुवार को आभासी मंच पर 'उत्तर-पूर्व एवं उत्तरी लेखक' सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने स्वागत वक्तव्य दिया। साहित्य अकादेमी की अंग्रेजी परामर्श मंडल की संयोजिका संयुक्ता दास गुप्ता ने आरंभिक वक्तव्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय वक्तव्य साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने दिया तथा अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने समापन वक्तव्य दिया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता साहित्य अकादेमी के राजस्थानी परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ने की और विजय वर्मा (डोगरी), बद्री नारायण (हिंदी), शाद रमजान (कश्मीरी), एस. ताहीर अली (मणिपुरी), स्वामी अंतर नीरव (पंजाबी) एवं चंद्रमोहन किस्कु (संताली) ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता धुव्रज्योति बोरा ने की और शांतन सैकिया (असमिया), झरना सान्याल (अंग्रेजी) व जी. गोपीनाथन (हिंदी) ने अनुवादः संस्कृतियों की एकता का सूत्र विषय पर अपने-अपने आलेख प्रस्तुत किए।

तृतीय सत्र जो कि अस्मिताः लेखिकाओं द्वारा रचना-पाठ पर केंद्रित था कि अध्यक्षता रुकमणि भाया नायर ने की तथा ज्योतिनीलिमा गोगोई (असमिया), अंजू बसुमतारी (बोडो), उमा माएडबम (मणिपुरी), शांति क्षेत्री (नेपाली), पुष्पा दीक्षित (संस्कृत) एवं तरन्नुम रियाज (उर्दू) ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

'उत्तर-पूर्व एवं उत्तरी लेखक सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी की ओर से बृहस्पतिवार को आभासी मंच पर 'उत्तर-पूर्व एवं उत्तरी लेखक सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने स्वागत वक्तव्य व साहित्य अकादमी की अंग्रेजी परामर्श मंडल की संयोजिका संयुक्ता दासगुप्ता ने आरंभिक वक्तव्य दिया।

अध्यक्षीय वक्तव्य साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने दिया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता साहित्य अकामी के राजस्थानी परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ने की तथा विजय वर्मा (डोगरी), बद्री नारायण (हिंदी), शाद रमज़ान (कश्मीरी), एस. ताहिर अली (मणिपुरी), स्वामी अंतर नीरव (पंजाबी) एवं चंद्रमोहन किस्कु (संताली) ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता धुव्रज्योति बोरा ने की तथा शांतन साइकीया (असमिया), झरना सान्याल (अंग्रेज़ी) एवं जी. गोपीनाथन (हिंदी) ने 'अनुवादः संस्कृतियों की एकता का सूत्र' विषय पर अपने -अपने आलेख प्रस्तुत किए। 'अस्मिताः लेखिकाओं द्वारा रचना-पाठ' पर केंद्रित तीसरे सत्र की अध्यक्षता रुक्मणि भाया नायर ने की तथा ज्योतिनीलिमा गोगोई (असमिया), अंजू बसुमतारी (बोडो), उमा माएडबम (मणिपुरी), शांति क्षेत्री (नेपाली), प दीक्षित (संस्कृत) एवं तरन्नुम रियाज़ (उर्दू अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।